केंद्रीय विद्यालय चमेरा नं.१

Kendriya Vidyalaya Chamera No.1

LIBRARY NEWSLETTER

BRAINWAVE

विशेषांक

अंतर्राष्ट्रीयमोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष 2023 और जी-20 सम्मेलन 2023

समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को सफल बना देता है ।

केन्द्रीय विद्यालय चमेरा नं.1

Brainwave

पुस्तकालय पत्रिका

वर्ष-2 अंक-1 अप्रैल-जून 2023

हमारे प्रेरणास्रोत

श्री वरुण मित्र
सहायक आयुक्त
गुरुग्राम संभाग

श्री सुन्दर लाल यादव
प्रभारी प्राचार्य

कु. मालती
(पुस्तकालय अध्यक्ष)
संपादक

केन्द्रीय विद्यालय चमेरा नं.1

Brainwave

पुस्तकालय पत्रिका

वर्ष-2 अंक-1 अप्रैल-जून 2023

अंदर के पन्नों में

1.	संपादक की कलम से	2
2.	अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष -2023	3-4
3.	जी– 20 सम्मेलन	5-6
4.	Mathematics is a friendly foe	7
5.	To all bullies get a life	8
6.	जी-20 सम्मेलन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	9
7.	मिलेट्स प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	10
8.	राष्ट्रीय पठन माह	11-12
9.	पुस्तक विमोचन	13
10.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय व्यक्तित्व	14

दुनिया की कोई परेशानी आपके साहस से बड़ी नहीं है |

तब तक अपने काम पर काम करें जब तक की आप सफल नहीं हो जाते ।

संपादक की कलम से

के. वि. चमेरा नं. 1 के अंतर्गत कार्य करते हुए विद्यालय पुस्तकालय की त्रैमासिक पत्रिका को सम्पादित करने का यह दूसरा वर्ष है |

जैसा कि आप सबको विदित है कि इस वर्ष भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है, साथ ही भारत सरकार की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज या मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है | इसी संदर्भ में विधार्थियों में इस विषय की समझ और सामान्य जानकारी विकसित करने हेतु यह अंक समर्पित है |

जून-जुलाई महीने के मध्य पुस्तकालय राष्ट्रीय पठन माह का भी आयोजन कर रहा है जिससे संबंधित सामग्री भी इस अंक में प्रकाशित की गयी है |

मै कु. मालती , पुस्तकालय अध्यक्ष अपने समस्त संपादक मण्डल के सदस्यों एवं इस पत्रिका को सम्पादित करने में सहयोग प्रदान करने वाले समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करती हूँ , जिनके सहयोग और सकारात्मक अभिवृत्ति से यह पत्रिका मूर्त रूप ले रही है | मुझे आशा है कि पत्रिका का यह अंक पाठकों को पसंद आएगा |

धन्यवाद

पुस्तकों का मूल्य रत्नों से भी अधिक है,
क्योंकि पुस्तकें अन्तःकरण को उज्ज्वल करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023

मोटे अनाज या मिलेट्स में पोषक तत्व किसी अन्य खाद्य अन्न की तुलना में बहुतायत में उपलब्ध है और इन्हीं गुणों को देखते हुए तथा लोगों में इस अन्न के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से भारत सरकार की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज या मेलेट्स वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है | जिसका प्रस्ताव 5 मार्च 2021 को ही संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित कर दिया गया था |

भारत सरकार के इस प्रस्ताव को खाद और कृषि संगठन द्वारा वर्ष 2018 में अनुमोदित किया गया था और वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीयमोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष घोषित किया गया तथा भारत सरकार के इस प्रस्ताव को 72 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ |

पोषक या मोटे अनाजों में सम्मिलित रूप से 16 फसलें शामिल है जिनमें बाजरा,ज्वार,रागी,कुटकी,चीना या चैना, कंगनी,सावा, कोदो और ब्राउनटॉप प्रमुख है |

इन अनाजों के प्राचीनतम प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए जाते हैं और इसका उल्लेख यजुर्वेद में भी मिलता है और दुनिया के लगभग 131 देशों में किसी न किसी रूप इसकी कृषि की जाती है |

मोटे अनाजों में ज्वार, बाजरा और रागी सबसे बड़े पैमाने पर उगायी जाने वाली फसलें है |

उत्पादन की दृष्टि से भारत

बाजरा के उत्पादन में भारत का प्रथम स्थान है इसके बाद नाइजीरिया और चीन का स्थान आता है | मोटे अनाजों के उत्पादन की दृष्टि से भारत की एशिया में 80% और वैश्विक स्तर पर 20% की भागीदारी है |

भारत के प्रमुख मोटा अनाज अनाज उत्पादक राज्य में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश है | भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले मोटे अनाजों में बाजरा, रागी, ज्वार, कनेरी और कुट्टू प्रमुख है |

भारत द्वारा जिन प्रमुख देशों को मोटे अनाजों का निर्यात किया जाता है | उनमें संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, लीबिया, सऊदी अरब, मिस्र, ओमान, ट्यूनीशिया, यमन, अमेरिका तथा ब्रिटेन प्रमुख है |

पोषक तत्व

मोटे अनाजों में प्रोटीन, फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, नाइयासीन, फोलिकएसिड, बीटा, कैरोटिन, जस्ता, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन A, विटामिन B और विटामिन B कॉम्प्लेक्स

सभी मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री होते हैं | अत: सीलिएक रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए सर्वोत्तम खाद पदार्थ है इसका ग्लाइयिसेमिक इंडेक्स कम होता है अत: मोटापे और मधुमेह जैसी समस्याओं से निपटने में भी कारगर है | इसमें उपलब्ध पोषक तत्वों तथा फायदों के कारण इसे सुपर फूड भी कहा जाता है |

उत्पादन परिस्थितियां

मोटे अनाज के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है | अत: शुष्क व गर्म जलवायु में तथा खराब मिट्टी में भी इसका उत्पादन किया जा सकता है | ये फसलें कम समय में तैयार हो जाती है और अन्य फसलों की अपेक्षा उत्पादन लागत भी कम होती है | कीटनाशकों और रासायनिक खादों का प्रयोग न के बराबर होता है | अत: इनका उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल है | इसकी खेती उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय, समशीतोष्ण और शुष्क क्षेत्रों में की जाती है|

मिलेट्स के उपभोग और उत्पादन को बढ़ाने हेतु भारत सरकार के प्रयास

- मोटे अनाजों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र ने 16 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्स्पो तथा क्रेता-विक्रेता बैठकों में निर्यातकों, किसानों और व्यापारियों की भागीदारी में सहायता देने की योजना बनाई है।
- भारतीय मोटे अनाजों की ब्रांडिंग और प्रचार में विदेश स्थित भारतीय मिशनों का सहयोग लिया जाएगा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय शेफ्स, डिपार्टमेंटल स्टोर, सुपर मार्किट तथा हाइपर मार्किट जैसे संभावित खरीदारों की पहचान की जाएगी |
- एपीईडीए(The Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority) ने गुलफूड 2023, फूडेक्स, सोल फूड एंड होटल शो, सउदी एग्रो फूड, सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) के फाइन फूड शो, बेल्जियम के फूड और बेवरिज शो, जर्मनी के बायोफैक और अनुगा फूड फेयर, सेन फ्रैंसिस्को के विंटर फैंसी फूड शो जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्मों पर मोटे अनाजों और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों को दिखाने की योजना बनाई है।
- सरकार रेडी टू ईट (आरटीई) तथा रेडी टू सर्व (आरटीएस) श्रेणी में नूडल्स, पास्ता, ब्रेकफास्ट सीरियल्स मिक्स, बिस्कुट, कुकीज, स्नैक्स, मिठाई जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए स्टार्टअप को भी सक्रिय कर रही है।
- मोटे अनाज की ब्रांडिंग और संवर्धन के लिए लुलु ग्रुप, कैरेफोर, अल जज़ीरा, अल माया, वॉलमार्ट जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खुदरा सुपरमार्केट को जोड़ा जाएगा ताकि मिलेट कार्नर स्थापित किए जा सकें।
- सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मोटे अनाजों और उनके मूल्यवर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) हैदराबाद, आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद, सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सहयोग से पांच वर्षीय रणनीतिक योजना तैयार करना प्रारंभ कर दिया है।
- एपीईडीए ने एशिया के सबसे बड़े बी2बी अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेला-आहार खाद्य मेला के दौरान 5 रुपये से लेकर 15 रुपये तक की किफायती कीमतों पर सभी आयु समूहों के लिए विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज उत्पादों को लॉन्च किया। साथ ही एपीईडीए ने किसानों की आय को बढ़ाने के लिए आईआईएमआर के साथ एक समझौता पर भी हस्ताक्षर किये है।
- 2007 में मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय मिलेट्स मिशन (National Millets Mission-NMM) लॉन्च किया गया |
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (Public Distribution System-PDS) में मोटे अनाजों को शामिल किया गया है ताकि आम आदमी तक इसकी पहुँच बनायी जा सके |
- मूल्य समर्थन योजना (Public Support Scheme-PSS) मोटे अनाजों की खेती के लिए किसानों को वित्तिय सहायता उपलब्ध करवाती है |

जी-20 सम्मेलन 2023

G20 शिखर सम्मेलन विश्व की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की सरकारों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। इसकी स्थापना वर्ष 1999 में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और विकास से संबंधित नीतिगत मुद्दों पर चर्चा और उनका समाधान करने के लिए की गई थी। जी20 विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या और विश्व के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85% का प्रतिनिधित्व करता है|

जी-20 की शुरूवात जी-7 के रूप में 1999 में हुई थी |तब इस समूह में जर्मनी,इटली,फ़्रांस,अमेरिका,ब्रिटेन,कनाडा और जापान जैसे देश सम्मिलित थे |वर्तमान में यह जी-20 का समूह है जिसमे **ऑस्ट्रेलिया,ब्राजील,रूस,अर्जेंटीना,चीन,भारत,दक्षिण अफ्रीका,तुर्की,दक्षिण कोरिया,यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका,जर्मनी, सऊदी अरब,मैक्सिको,फ़्रांस, इंडोनेशिया,इटली और जापान** जैसे देशों का समूह तथा यूरोपीय संघ सहित 20 सदस्यों का समूह है |

वर्ष 1999 में एशिया में हुए वित्तीय संकट के बाद वित्तीय मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक वित्तीय और आर्थिक महत्व के मुद्दों पर चाचा करने के लिए एक मंच मे रूप में इसकी स्थापना की गयी थी | जी-20 की प्रथम बैठक 1999 में बर्लिन में आयोजित किया गया था | 18 वें जी-20 शिखर समेलन की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है | 9-10 सितम्बर के मध्य 18 वें जी-20 शिखर सम्मेलन का समापन होगा | इसकी विभिन्न बैठकों में सदस्य देशों सहित **IMF,WB, WHO, UN, FSB, ILO,OCD, AU, AUDA, AASIYAN,NEPAD, ISA,ADB और CDRI जैसे अंतर्राष्ट्रीयमहत्व के संगठनों** को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है | साथ ही अतिथि देशों के रूप में **बांग्लादेश, मॉरिशस, नीदरलैंड, इजिप्ट, ओमान, नाइजीरिया, स्पेन, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात** को अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया है |

G-20 लोगो

G20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों - केसरिया, सफेद और हरे, एवं नीले रंग से प्रेरित है। इसमें भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। पृथ्वी जीवन के प्रति भारत के पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसका प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य है। G20 लोगो के नीचे देवनागरी लिपि में "भारत" लिखा है।

G-20 थीम

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

भारत का G20 अध्यक्षता का विषय - "वसुधैव कुटुम्बकम" या "एक पृथ्वी • एक कुटुंब • एक भविष्य" है जो **महा उपनिषद** के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है।

G-20 कार्यसूची

G-20 व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, सतत विकास और भ्रष्टाचार नियंत्रण समस्या और उसके समाधान जैसे

विषयों पर सम्मिलित रूप से कार्य करती है |

भारत सरकन ने अपनी अध्यक्षता के दौरान देश भर में कई कार्यक्रमों और गतिविधियों की शुरुवात की है | भारत में 32 विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी की जाएगी, और जी20 प्रतिनिधिओं और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करने और उन्हें अद्वितीय भारतीय परम्परा का अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा |कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित एक सौ इमारतों को प्रकाश से सजाया गया है और इन स्मारकों के साथ सेल्फि लेकर MyGov पर साझा करने के लिए नागरिकों को आमंत्रित किया गया है |

स्कूली छात्रों के लिए https://quiz.mygov.in के माध्यम से कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें -

- जी20 पर सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली (Life) प्रश्नोत्तरी
- जी20 पर नारा लेखन प्रतियोगिता

G-20 अध्यक्ष

- जी- में दो समानांतर ट्रैक होते है पहला वित्त (फाइनेंस) ट्रैक और दूसरा शेरपा ट्रैक
- वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते है |
- **शेरपा ट्रैक :-** शेरपा एक सरकार का प्रमुख या सरकार के प्रमुख का प्रतिनिधि होता है जो अंतर्राष्ट्रीयशिखर सम्मेलन का संचालन करता है | शेरपा नाम नेपाल के जातीय समूह से लिया गया है |

Mathematics is a friendly foe

Mathematics is a friendly foe
Mathematics is the only subject where I'm not efficient,
As I'm not great in dealing with variable and coefficient,
It really freaks me out,
It makes me do self doubt,
I always have a hard time studying it ,
It makes the fire in me lit, of course in a bad sense,
I can't wait to get it off my back,
In the skills of mathematics, I lack,
On my back, it is a pressure,
I don't know how it gives some people leisure,
Its not love, it's not hate, it's just indifference!
I don't know how some people do it so good,
But for me, I feel, it's do shrewd,
I'm tired of finding the values of x and y,
I think I might just cry!
But sometimes when I solve a sum just fine,
It makes me go on cloud nine.

- Anshika Raikwar

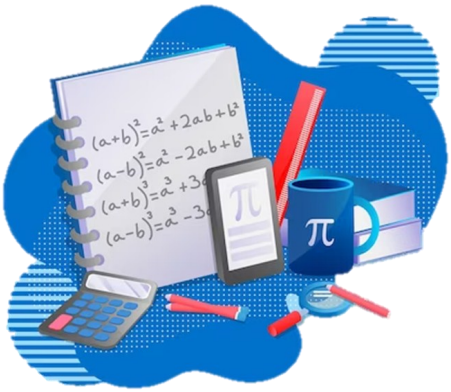

To all bullies, get a life!

TO ALL BULLIES, GET A LIFE!
BEING MEAN IS IN YOUR EVERY VEIN,
OH FOR THE SAKE OF GOD, PLEASE LET THIS ATTITUDE OF YOURS DRAIN,
YOU BELIEVE THAT YOUR NATURE AND MINDSET IS STUNNING,
OR SO AS YOU THINK, IF I WERE TO BE HONEST, YOU'RE JUST A SNAKE WHO IS CUNNING,
I DON'T KNOW WHY MOCKING AND DEMEANING PEOPLE GIVES YOU PLEASURE,
BUT BEING KIND TO OTHERS IS MY LEISURE,
I WILL NEVER BE BOTHERED BY YOUR COMMENTS AND LIES,
AS I KNOW THAT EVERY BULLY IS HIMSELF ALONE IN LIFE,
I THINK THE REASON WHY YOU BOTHER ME ,
IS THAT THE TIME HAS ENDED WHEN YOU AND I WERE REFERRED TO AS WE,
SEEING YOU LIKE THIS MAKES MY HEART SINK ,
ALL THIS HAS MADE YOUR SOUL SHRINK,
YOU'VE BECOME A BULLY, ARE YOU INSANE,
AND I REALLY THINK THAT YOU SHOULD STAY OUT OF THIS LANE.

ANSHIKA RAIKWAR
CLASS-IX

जी-20 सम्मेलन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भारत को इस बार जी-20 की अध्यक्षता करने का दायित्व प्राप्त हुआ है | विधार्थियों में जी-20 की कार्यप्रणाली और जी-20 में भारत की भूमिका के संबंध में समझ विकसित करने हेतु पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कक्षाओं में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया |

शिक्षा रूपी वृक्ष के मूल बहुत कड़वे होते हैं पर उसका फल बहुत ही मीठा होता है ।

मिलेट्स पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भारत सरकार की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज या मेलेट्स वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है | संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की गयी है | इसी संदर्भ में पुस्तकालय के द्वारा इस विषय पर विधार्थियों को संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने हेतु You Tube विडियो का निर्माण किया गया और विभिन्न कक्षाओं में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया |

हमें सिर्फ अपनी संघर्ष करने की क्षमता बढ़ानी है, सफलता का मिलना तो तय है।

पठन माह 19 जून से 26 जुलाई 2023

भारत में पठन माह का आयोजन प्रतिवर्ष 18 जून से 19 जुलाई के मध्य केरल के पुस्तकालय आंदोलन के जनक पीएन पणिक्कर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। श्री पीएन पणिक्कर का जन्म 01 मार्च 1909 को केरल में हुआ था| वे पेशे से एक शिक्षक थे|साल 1945 में 47 ग्रामीण पुस्तकालयों के साथ तिरुविथामकूर ग्रंथशाला संघम की स्थापना मुहिम में उन्होंने नेतृत्व किया था। उनकी एसोसिएशन का नारा था 'पढ़ो और बढ़ो'। इसके बाद में केरल राज्य के गठन के बाद एसोसिएशन का नाम केरल ग्रंथशाला संघम हो गया। उन्होंने केरल के गांव-गांव की यात्रा की और लोगों को पढ़ने के महत्व से अवगत कराया था। इस तरह उन्होंने अपने नेटवर्क में 6,000 से ज्यादा पुस्तकालयों को जोड़ने में सफलता हासिल की। 1975 में ग्रंथशाला को 'कृपसकय अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया था। 19 जून 1995 को यह महान विभूति हमारे बीच से विदा हो गयी। जिसके बाद हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि को नेशनल रीडिंग डे के रूप में मनाया जाने लगा।

केन्द्रीय विद्यालय चमेरा नं.1 में भी एस माह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी जिसमें विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया |

Reading Day Pledge

पुस्तक प्रेमी सबसे अधिक धनी और सुखी होते है |

राष्ट्रीय पठन माह के अंतर्गत पुस्तकालय में कक्षा तीन से आठवी तक के विधार्थियों ने **कहानी पुस्तक निर्माण प्रतियोगिता** में भाग लिया और आकर्षक कहानी की पुस्तकों का निर्माण किया |

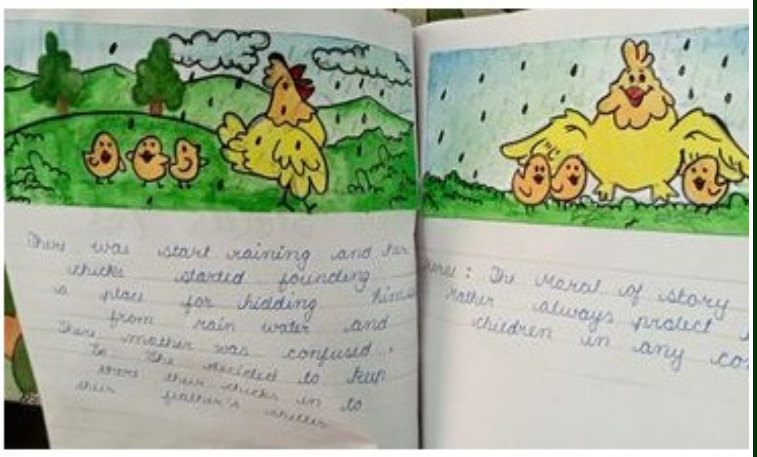

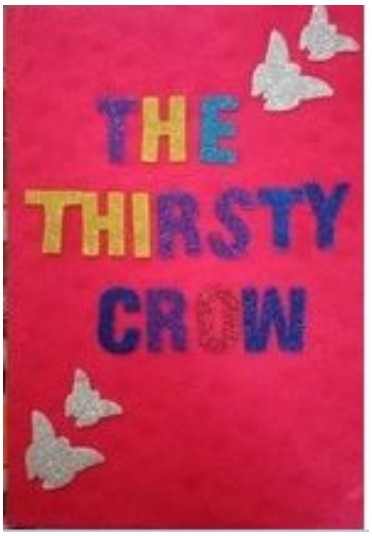

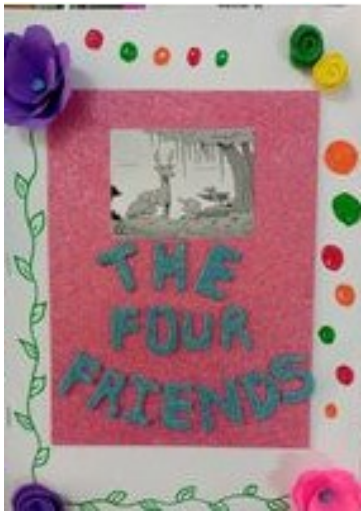

कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं।

जून माह के अंतर्गत विधार्थियों द्वारा लिखित और पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा डिजाइन की गयी पुस्तक को ऑनलाइन और प्रिंट प्रारूप में प्रकाशित किया गया है ताकि विधालय के अन्य बच्चों में पुस्तकों और कहानी लेखन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सके

सूची (Contents)

1. रामपुर की हवेली	2-3
2. विजय और खाली कमरा	4-5
3. पागलों का घर	6-7
4. रमन और चिड़ियाँ के बच्चें	8-9
5. दोस्ती की परीक्षा	10-11
6. अमीर और गरीब में अंतर	12
7. माता-पिता का प्यार	13-14
8. हर मोड़ पर खतरा है	15-17
9. श्याम एक किसान	18-19
10. राजा और कंजूस रानी	20-21
11. कोमल और एक आत्मा	22-23
12. लालची दूधवाला	24-25
13. तीन भेड़ें	26-27
14. नकलची पड़ोसी	28-29
15. अमन और उसका दोस्त	30-31
16. गरीब का सपना	32
17. The land of Dwarfs	33-34
18. How magic disappeared	35-36
19. Child kidnapper	37
20. Value of Emotion	38
21. The Ghost appeared	39-40
22. A scary night turned to be funny	41
23. The horror Haveli	42

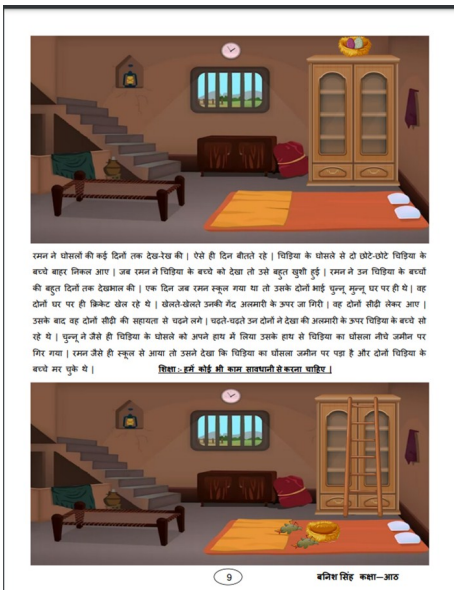

रामपुर की हवेली

एक बार की बात है एक किसान था | जिसका नाम राममोहन था | राममोहन बहुत ही मेहनती व्यक्ति था एक दिन कुछ काम के लिए वह रामपुर आया | रामपुर आने जाने का एक ही रास्ता था और उस रास्ते पर एक शापित हवेली थी |

यह शापित हवेली एक परिवार की थी जिसकी कुछ वर्ष पहले एक कार हादसे में मौत हो गई थी | राममोहन जब रामपुर पहुंचा तब रात के 11:00 बज रहे थे और रास्ते से जाते समय जब वह हवेली के पास से गुजर रहा था तो उसे कुछ अजीब सी आवाजें वहां से सुनाई दे रही थी | उसने सोचा लगता है कोई हवेली में फस गया है और वह मदद करने के इरादे से हवेली जा पहुंचा | उसके जाते ही हवेली का दरवाजा अपने आप खुल गया | उसने सोचा हवा से खुल गया होगा | हवेली के अंदर जाते ही दरवाजा अपने आप बंद हो गया | अब वह थोड़ा सा डर गया | वह ऊपर गया तो उसने ऐसा कुछ देखा कि उससे उसके रोंगटे खड़े हो गये |

2

रमन ने घोसलों की कई दिनों तक देख-रेख की | ऐसे ही दिन बीतते रहे | चिड़िया के घोसले से दो छोटे-छोटे चिड़िया के बच्चे बाहर निकल आए | जब रमन ने चिड़िया के बच्चे को देखा तो उसे बहुत खुशी हुई | रमन ने उन चिड़िया के बच्चों की बहुत दिनों तक देखभाल की | एक दिन जब रमन स्कूल गया था तो उसके दोनों भाई चुन्नू मुन्नू घर पर ही थे | वह दोनों घर पर ही क्रिकेट खेल रहे थे | खेलते-खेलते उनकी गेंद अलमारी के ऊपर जा गिरी | वह दोनों सीढ़ी लेकर आए | उसके बाद वह दोनों सीढ़ी की सहायता से चढ़ने लगे | चढ़ते-चढ़ते उन दोनों ने देखा की अलमारी के ऊपर चिड़िया के बच्चे सो रहे थे | चुन्नू ने जैसे ही चिड़िया के घोसले को अपने हाथ में लिया उसके हाथ से चिड़िया का घोंसला नीचे जमीन पर गिर गया | रमन जैसे ही स्कूल से आया तो उसने देखा कि चिड़िया का घोंसला जमीन पर पड़ा है और दोनों चिड़िया के बच्चे मर चुके थे | **शिक्षा :- हमें कोई भी काम सावधानी से करना चाहिए |**

9 बनिश सिंह कक्षा—आठ

जैसे ही चुड़ैल आई उसने अपनी छवि आईने में देखी जो की बहुत बड़ी दिखाई दे रही थी | वह डर गई | अरे ! यहां तो मेरे से भी ज्यादा बड़ी चुड़ैल रहती है, और वह डरकर वहां से भाग गई | इस तरह से उस चुड़ैल की, किसान और उसके परिवार को मारने की कोशिश नाकाम रही | किसान चुड़ैल से तो बच गया लेकिन वह जानता था कि अगर वह दोबारा से खेत पर गया तो चुड़ैल इस बार उसे नहीं छोड़ेगी | इसलिए वह गांव छोड़कर कहीं और जाने की योजना बनाता है | इसके बाद किसान और उसका परिवार शहर की तरफ जाते हैं | शहर का रास्ता जंगलों से होकर गुजरता था | रास्ते में उन्हें एक भालू मिला | भालू से बचने के लिए सारा परिवार जल्दी से एक पेड़ पर चढ़ गया और सुबह तक पेड़ पर ही बैठा रहा | सुबह वे पेड़ से नीचे उतरते हैं और शहर की तरफ चल देते हैं |

16

How Magic Disappeared

This is the story of the time when magic was a real and normal thing. It all started when few people gained power as blessing from the Gods. The most powerful city of this time was Jadoogarh meaning the center of magic. It really was the center of magic. People from distant lands flocked to the city to train, trade, to leave and seek their fortunes. .However, only the council of the wisest individual held the authority to make decisions, as s team of old yet powerful magicians known as the 'Guardians' protected the city from harm. For generations, Jadoogarh thrived in peace until a dark force emerged, threatening to turn the city into ruins.

This force was Nadir, a young boy who had lived a perfect life on the outskirts of the city until the great battle erupted. The battle commenced when the strongest Guardian turned against his fellow magicians, triggering a destructive conflict that tore through the city. Although most of the residents were saved, Nadir's parents perished as their home lay beyond the reach of the magicians' protection. Consumed by grief and resentment, Nadir blamed the entire city for his parents' demise, harboring a deep desire for power and vengeance.

Taken in by the council, Nadir was trained in the ways of magic, mastering its secrets over time. While everyone believed he had found contentment, Nadir harbored a secret plan to seize control of the city and subject its inhabitants to his rule and torment. His opportunity arose when he learned about a gem that contained the absorbed power of the fallen Guardian, capable of granting unimaginable strength. Nadir swiftly devised a scheme to obtain the gem and absorb its power, unlocking a unique ability—mind control.

With his newfound power, Nadir revealed his true intentions to the city, usurping control and becoming its ruler. His thirst for dominance and wealth grew insatiable, leading him to expand his influence, conquering city after city until almost the entire world was under his command. Yet, there was one place that remained beyond his reach—the mystical forest, impervious to any trespassers. Hidden within its depths was a prosperous city, the birthplace of the first people to harness magic, ruled by a wise and benevolent chief.

This chief had a young son named Sewai, who possessed a special power of his own—animal mind control. Though Sewai's ability was limited to help animals and aid those in need. When news reached Sewai's father

35

Book Download link(PDF)

Flipbook Format

नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय व्यक्तित्व

पुस्तकालय द्वारा कक्षा आठवीं के विधार्थियों के लिए भारतीय नोबेल प्राप्त व्यक्तियों के ऊपर जीवनचरित्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया |

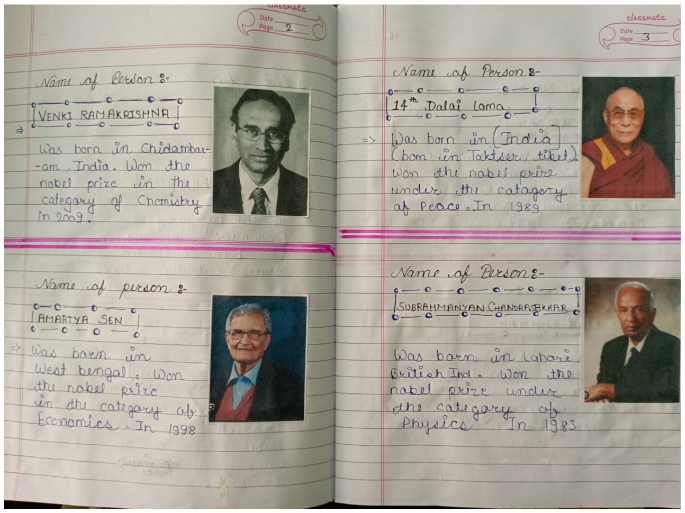

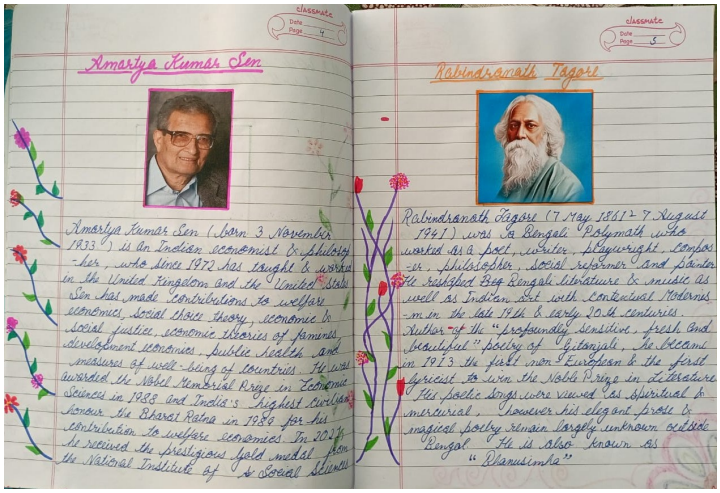

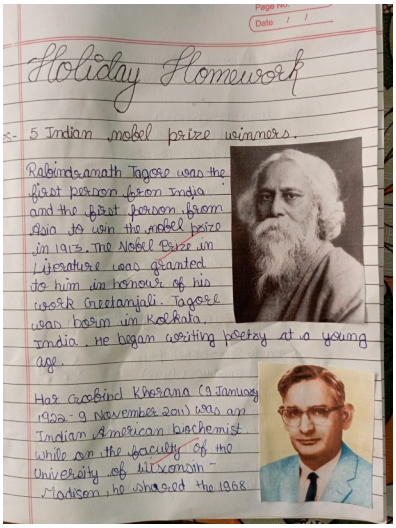

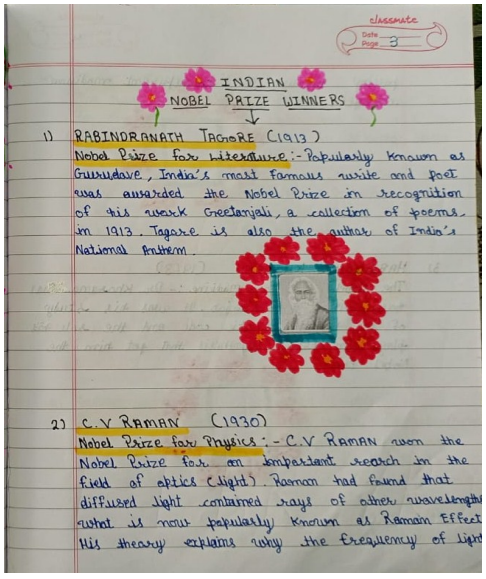

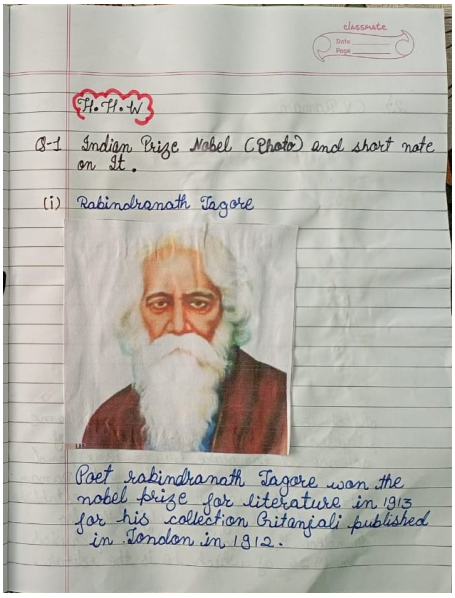

आप तभी सफल हो पाएंगे अगर आपके सपने बहानो से बड़े हो जाये ।

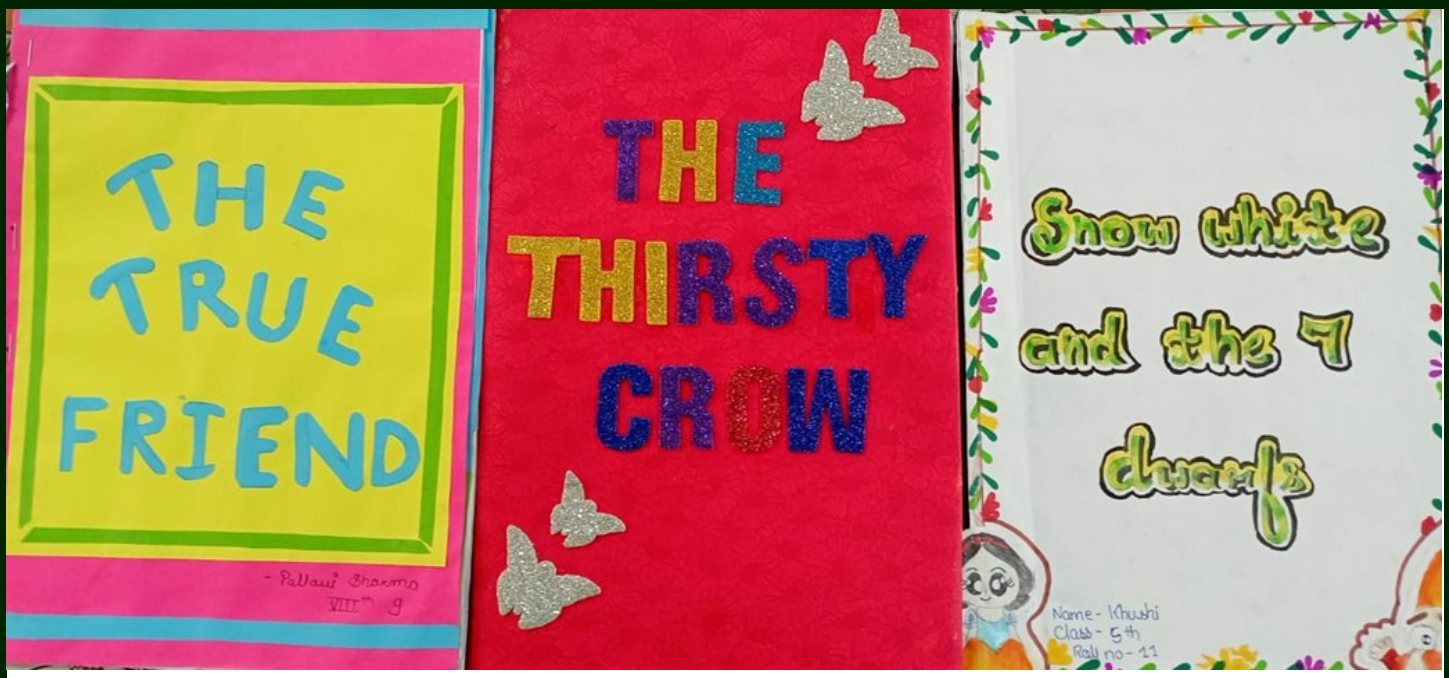

For more information please visit library blog

https://kvchamerano1library.wordpress.com/

एक चीज जो आपको बिल्कुल सही-सही जाननी चाहिए वह है लाइब्रेरी का पता।